बुधवार
01 जून 2022

पृष्ठ 4

रोजाना रात को सोने से पहले करें ये ब्रीथिंग एक्सरसाइज, आएगी बेहतर नींद

पृष्ठ 5

व्हाइट ड्रेस में हुमा कुरैशी ने बढ़ाया सोशल मीडिया का पारा

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 120
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

निराशा के समान दूसरा पाप नहीं। आशा सर्वोत्कृष्ट प्रकाश है तो निराशा घोर अंधकार है।

– रश्मिमाला

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

अब टोकन से होंगे बाबा के दर्शन

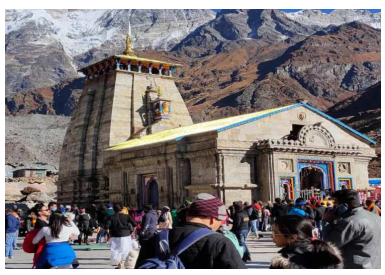

●व्यवस्थाओं पर भारी पड़ रहा है श्रद्धा का सैलाब
●घोड़े-खच्चरों की हिफाजत को भी टीम तैनात

विशेष संवाददाता

देहरादून। चार धाम यात्रा को शुरू हुए अभी एक माह का समय भी पूरा नहीं हुआ है अब तक रिकॉर्ड 14 लाख से अधिक यात्री चार धामों की यात्रा कर चुके हैं। सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं का दबाव केदारधाम में ही रहा है। यही कारण है कि सबसे ज्यादा अव्यवस्थाएं भी यही देखी गई है। व्यवस्थाओं को सुधारने की शासन-प्रशासन स्तर पर जो कवायद की जा रही है उस पर श्रद्धालुओं का सैलाब भारी पड़ रहा है। केदारधाम में कई-कई किलोमीटर लंबी श्रद्धालुओं की लाइन को कम करने के लिए अब धाम में टोकन व्यवस्था की गई है जिसमें दर्शनों के लिए टोकन नंबर जारी किए जा रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को कई-कई घंटे लाइनों में न लगना पड़े।

उल्लेखनीय है कि धामों में श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य कर दिया गया था लेकिन फिर भी भीड़ कम नहीं हो सकी है। रजिस्ट्रेशन के बिना चार धाम जाने वाले यात्रियों को लौटाए जाने और रजिस्ट्रेशन फुल होने के कारण यात्रियों को इंतजार कराए जाने से भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वही ट्रांसपोर्टरों से लेकर यात्रियों तक के विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ रहा है। भारी भीड़ के कारण समस्याएं भी बढ़ी है। केदारधाम में अब तक 60 से अधिक यात्रियों की मौत हो चुकी है वहीं 103 घोड़े-खच्चरों की मौत हो गई है। धाम में गंदगी के अंबार लग गए हैं जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चिंता जता चुके हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इन व्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए पहले दो मंत्रियों की ड्यूटी लगाई गई थी अब काबीना मंत्री सौरभ बहुगुणा भी धाम की व्यवस्थाओं को सुधारने में जुटे हैं। घोड़े खच्चरों के साथ किसी तरह का अमानवीय व्यवहार न हो इसकी निगरानी के लिए उन्होंने केदार धाम में पूरे पैदल मार्ग पर एक टीम तैनात कर दी गई है। शिकायत मिली थी कि इन बेजुबानों के साथ अमानवीय व्यवहार हो रहा है। जिसके कारण इनकी मौतें हो रही है। मेनका गांधी ने भी इस मामले को उठाया था। यात्रियों का कहना है कि इन जानवरों के शव मार्गो पर बिखरे पड़े है जिनसे यात्रियों को परेशानी हो रही है।

हरिद्वार और ऋषिकेश में रजिस्ट्रेशन कराने को लेकर यात्रियों का जमावड़ा है और वह सड़कों पर रात गुजार रहे है। जो अतिथि देवो भव: की संस्कृति की हकीकत को बंया कर रहे है। उधर यात्रियों के साथ ठगी के मामले भी सामने आ रहे है। ट्रांसपोर्टर अलग से धरना-प्रदर्शन कर रहे है तमाम तरह की समस्याओं के बावजूद भी भीड़ बेकाबू हो रही है। जिसको नियंत्रण करना शासन-प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

भ्रष्टाचार के आरोपी अधिकारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

❑आय से अधिक संपत्ति का मामला
❑यूपी पुलिस व विजिलेंस करेगी जांच

विशेष संवाददाता

देहरादून। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे एक और अधिकारी पर अब कानून का शिकंजा कसता जा रहा है। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में सूबे में अपर सचिव कृषि के पद पर तैनात अधिकारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा चुका है।

अपर सचिव कृषि के पद पर तैनात रामविलास पर आय से 500 गुना अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप हैं। लंबे समय से वह भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं। इन पर लगे आरोपों की जांच के लिए एक समिति भी बनाई गई थी समिति का कहना है कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। रामविलास इन दिनों उत्तराखंड में अपर सचिव कृषि के पद पर तैनात है। अब उनके ऊपर मुकदमा दर्ज होने से उनकी मुश्किलें बढ़ना तय है। इस मामले की जांच अब यूपी पुलिस और विजिलेंस द्वारा की जाएगी। उनके ऊपर भ्रष्टाचार के अनेक आरोप है। आरोप है कि उन्होंने अपने सेवाकाल में अवैध तरीके से आय से 500 गुना अधिक संपत्ति अर्जित की है।

उत्तराखंड कि अफसरशाही यूं तो अनेक मामलों को लेकर आरोपों के घेरे में रही है लेकिन उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच बहुत आगे तक नहीं बढ़ सकी है। कुंभ के दौरान हुए कोरोना जांच घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कड़ा रूख दिखाते हुए कार्रवाई को आगे बढ़ाया है। भ्रष्टाचार के मामले में सरकार और नेताओं द्वारा जीरो टॉलरेंस की बात की जाती रही है लेकिन इस पर अमल किया जाना संभव नहीं हुआ है। अभी हाल ही में नोएडा भूमि घोटाले में जिन 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी उनमें पूर्व मुख्यमंत्री बहुगुणा के रिश्तेदारों सहित राज्य के तीन अधिकारियों के सगे संबंधियों के नाम भी सामने आये थे, जिसमें कार्रवाई चल रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने रखी राम मंदिर के गर्भगृह निर्माण के लिए पहली आधारशिला

अयोध्या । अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए आज का दिन बेहद ऐतिहासिक है। आज से मंदिर के गर्भगृह का निर्माण शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रोच्चारण के बीच गर्भगृह के निर्माण के लिए पहली शिला रखी।

मुख्यमंत्री योगी सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमानजी के दर्शन पूजन किए। इसके बाद वह सीधा राम मंदिर निर्माण स्थल पहुंच गए जहां, उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच गर्भगृह की आधारशिला रखी। गर्भगृह की आधारशिला रखने के बाद से वर्षो से तराशे गए पत्थ्थरों का इस्थ्तेमाल भी शुरू हो गया है।

आधारशिला रखने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज ये हमारा सौभाग्य है कि राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में भी शिलाओं को व्यवस्थित रूप से रखने की शास्त्रीय परंपरा के निर्वहन का कार्यक्रम आज पूज्य संतों और न्यास के पदाधिकारियों की उपस्थिति में शुरू हो चुका है।

उन्होंने कहा, श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य का शुभारंभ लगभग २ वर्ष पहले प्रधानमंत्री मोदी के करकमलों से हुआ और सफलतापूर्वक ये निर्माण कार्य आगे बढ़ रहा है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का भव्य मंदिर अयोध्या धाम में बनकर देश और दुनिया के सभी सनातन हिन्दू धर्मावलंबियों की आस्था का प्रतीक तो बनेगा ही, श्री राम जन्मभूमि मंदिर भारत का राष्ट्र मंदिर होगा।

देश में एक दिन में कोरोना के 2745 नए केस दर्ज, संक्रमण से 6 की मौत

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के नए मामलों को लेकर लंबे समय से राहत बरकरार है। पिछले २४ घंटे में यहां कोविड संक्रमण के तीन हज़ार से कम मामले दर्ज हुए हैं। वहीं इस दौरान हुई मौतों का आंकड़ा बेहद राहतजनक रहा। इसके साथ ही बुधवार को डेली पॉजिटिविटी रेट ०.६० प्रतिशत दर्ज किया गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले २४ घंटे में कोरोना के २,७४५ नए केस दर्ज होने के बाद कुल संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर ४३,१६०,८३२ हो गया। वहीं इस दौरान ६ मरीजों की मौत के बाद मृतकों की संख्या भी बढ़कर ५,२४,६३६ हो गई।

यूनियन हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक,अब तक कुल ५,२४,६३६ कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत हो गई है। एक्टिव मामलों की संख्या १८,३८६ है। एक्टिव केस कुल संक्रमण का ०.०४ फीसदी हो गए हैं। वहीं एक दिन में २,२३६ कोरोना संक्रमित मरीज ठीक हुए हैं। डेली पॉजिटिविटी रेट ०.६० फीसदी है।

देश में अब तक कुल ४,२६,१७,८१० संक्रमित मरीज ठीक हो चुके हैं। सरकार कोरोना वायरस पर काबू पाने के लिए वैक्सीनेशन पर जोर दे रही है। अब तक वैक्सीनेशन का आंकड़ा १,६३,५७,२०,८०७ पहुंच गया है। वहीं पिछले २४ घंटे में १०,६१,११० डोज लगाई गई है।

बता दें कि, देश में महामारी कोरोना की ताजा रिपोर्ट में कोरोना वायरस संक्रमण के हर दिन के मामलों में उतार चढ़ाव का सिलसिला जारी है। रोजाना ही कोरोना वायरस के संक्रमण के नए मामलों की संख्ख्या हजारों के करीब मिल रही है। हालांकि, पहले के मुकाबले कोरोना का संक्रमण काबू में है और कोरोना महामारी की बिगड़ी स्थिति में हल्ख्का सा सुधार है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मतदाताओं के मन की बात

चंपावत उपचुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया है। जहां तक मतदान प्रतिशत की बात है वह भले ही भाजपा की अपेक्षा से कुछ कम रहा हो लेकिन किसी भी उपचुनाव के दृष्टिकोण से काफी कुछ अच्छा रहा है। इस विधानसभा सीट पर पुल 96913 मतदाता हैं जिनमें से 61711 ने मतदान का प्रयोग किया जो 64 फीसदी से अधिक है अभी मार्च 2022 में जो चुनाव हुआ था उसमें मतदान प्रतिशत 66 फीसदी के करीब रहा था। भाजपा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह के लिए इस चुनाव का क्या महत्व है यह सभी जानते हैं यही कारण है उन्होंने इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल किया है। मुख्यमंत्री धामी के साथ तमाम स्टार प्रचारकों ने प्रचार में जहां कोई कमी नहीं छोड़ी, तमाम रोड शो और रैलियों का सहारा लिया वहीं कांग्रेस ने कहा तो बहुत कुछ लेकिन धरातल पर दिखा बहुत कम। अंतर कलह और उपचुनाव की उदासीनता इसका बड़ा कारण रही। मार्च के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी कैलाश गहतोड़ी 5 हजार से अधिक मतों से जीते थे, हो सकता है मुख्यमंत्री धामी इससे ज्यादा मतों से जीत जाए लेकिन ऐसा भी नहीं लगता है कि चुनाव पूरी तरह से एकतरफा रहा हो। कांग्रेस पर इस चुनावी जीत हार का कोई असर नहीं पड़ने वाला है लेकिन भाजपा हारने की स्थिति में अत्यधिक प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि सीएम कल मतदान के दिन भी शत प्रतिशत वोटिंग की अपील मतदाताओं से करते दिखे। खैर अब जो होना था हो चुका है। क्या होना है इसे आने वाली 3 जून की तारीख तय करेगी। अभी तक भाजपा चुनाव परिणाम को लेकर बिल्कुल ही निश्चिंत नजर आ रही है। सूबे में अब तक मुख्यमंत्रियों ने जितने भी चुनाव लड़े हैं किसी भी चुनाव में किसी मुख्यमंत्री को हार का सामना नहीं करना पड़ा है। यह भी भाजपा की निश्चिंतता का एक कारण है। राज्य की पहली निर्वाचित सरकार में मुखिया की जिम्मेदारी संभालने वाले एनडी तिवारी ने 2002 में रामनगर सीट से उपचुनाव लड़ा था तथा उनके बाद बीसी खंडूरी ने 2007 में धुमाकोट से चुनाव लड़ा वहीं 2012 में विजय बहुगुणा ने सितारगंज तथा 2014 में हरीश रावत ने धारचूला से चुनाव लड़ा था और कोई भी अपना चुनाव नहीं हारा था। अब धामी की बारी है यूं तो किसी भी चुनाव में कुछ भी अप्रत्याशित हो सकता है लेकिन चंपावत में हवा भाजपा और धामी के पक्ष में ही बहती दिख रही है। जब कोई मुख्यमंत्री बनने के बाद चुनाव लड़ता है तो जनता की आमतौर पर सोच यही रहती है कि वह उसके पक्ष में मतदान करती है क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि उनके क्षेत्र का प्रतिनिधित्व अगर स्वयं मुख्यमंत्री करेंगे तो तेजी से क्षेत्र का विकास होगा और विकास कार्यों में समस्या कम आड़े आएगी। यह अलग बात है कि कुछ नेता चुनाव जीतने के बाद इसे भुला देते हैं। भाजपा ने वोट मांगा भी सीएम के नाम पर है और जनता ने वोट दिया भी सीएम के नाम पर ही है इसलिए 3 जून को सिर्फ यह पता चलना शेष है की जनता ने सीएम को कितने वोट दिए हैं।

चंपावत विधानसभा उपचुनाव में 64.18 प्रतिशत मतदान हुआ

कार्यालय संवाददाता

चंपावत। चंपावत विधानसभा में उपचुनाव को लेकर कल मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। मंगलवार को सुबह ७.०० बजे से जहां मतदान चंपावत के सभी १५३ बूथों पर प्रारंभ हो गया था शाम ५.०० बजे तक के कुल ६४.१८ प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी व प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बनबसा टनकपुर इलाके के विभिन्न बूथों में घूमकर मतदाताओं का आभार जताया।

उपचुनाव में अगर मतदान की बात की जाए तो विधानसभा के मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखा गया। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी लंबी भीड़ देखने को मिली। इस अवसर पर मतदान के दिन खटीमा स्थित अपनी नगरा तराई आवास से बनबसा टनकपुर इलाके में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहुंचकर जहां मतदान प्रक्रिया को देखा, मतदान को आए मतदाताओं का मतदान स्थल पर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि चंपावत की जनता ने उन्हें इस चुनाव में अपार स्नेह दिया है। मतदाताओं ने जहां देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना समर्थन देते हुए उन्हें विधानसभा में अपना आशीर्वाद दिया है उन्हें विश्वास है कि जब चंपावत विधानसभा के परिणाम निकलेंगे तो चंपावत विधानसभा के मतदाता जीत का नया इतिहास लिखेंगे। मतदान में सुबह ७.०० बजे से शाम ५.०० बजे तक कुल ६४. १८ प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। ६६,२०० मतदाताओं वाली चम्पावत विधानसभा में मुख्यमंत्री के चुनाव लड़ने से खासा उत्साह देखने को मिला।

ड्रोन-डिजिटल इंडिया की नयी उड़ान

नील मेहता''

कुछ समय पहले तक ड्रोन को महंगे सैन्य उपकरण या छोटे मनोरंजक खिलौनों के रूप में देखा जाता था। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में स्थितियां में काफी बदलाव आया है, क्योंकि ड्रोन, जिसे आधिकारिक तौर पर सुदूर चालित हवाई प्रणाली (रिमोटली पाइलेटेड एरियल सिस्टम, आरपीएएस) के रूप में जाना जाता है, कई उद्योगों के अनुप्रयोगों के लिए एक व्यावहारिक समाधान के रूप में सामने आया है। ड्रोन के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव का मुख्य कारण हैदृ ड्रोन की लागत प्रभावी तरीके से मांग के अनुसार उड़ान के जरिये डिजिटल डेटा देने की क्षमता।

हालांकि, ड्रोन का विकास, अपनाने का तरीका और उपयोग; अभी प्रारंभिक अवस्था में है। लेकिन, यह भी सच है कि ड्रोन नए तरीकों पर आधारित प्रभावी समाधान प्रदान कर रहे हैं, जो कागज़ और कलम से संचालित होने वाले पुराने तरीकों के स्थान पर परिचालन को डिजिटल युग में ले जा रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में ड्रोन कई सरकारी और निजी प्रतिष्ठानों का एक अभिन्न अंग बन गए हैं; विशेष रूप से उद्योग के क्षेत्रों में, जो नयी तकनीक को अपनाने में हमेशा असफल रहते हैं, कारण चाहे जो भी रहे हों। ड्रोन कुशल और समयबद्ध तरीके से सुस्त, अस्वच्छ व खतरनाक काम कर रहे हैं और इस तरह से काम करने के पारंपरिक तरीकों के एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आये हैं।

ड्रोन के कुछ मौजूदा अनुप्रयोगों में निगरानी और सुरक्षा, महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों का निरीक्षण और निगरानी, सर्वेक्षण एवं लॉजिस्टिक्स आदि शामिल हैं। ये अनुप्रयोग कई उद्योग क्षेत्रों से सम्बंधित हैं, जैसे रक्षा और आतंरिक सुरक्षा, कृषि, तेल और गैस, ऊर्जा व उपयोगिता, दूरसंचार, भू-स्थानिक सर्वेक्षण, खनन, निर्माण, परिवहन आदि। भारत में इन क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक को अपनाने की प्रक्रिया प्रारंभिक अनुसंधान चरण से एक ऐसे चरण में पहुंच गयी है, जहां व्यापार जगत को यह अनुभव हुआ है कि इसकी क्षमता व संभावना का उचित उपयोग किया जा सकता है। अब व्यापार जगत इसे अपनाने के लिए तैयार है।

आज, भारत में ड्रोन का उपयोग; सटीकता से खेती के लिए फसल के स्वास्थ्य की निगरानी तथा सैकड़ों किलोमीटर लम्बी गैस पाइपलाइनों का निरीक्षण करने से लेकर सीमा पर सुरक्षा प्रदान करने एवं समय पर महत्वपूर्ण स्वास्थ्य आपूर्ति करने से जुड़े क्षेत्रों में किया जा रहा है। भारत सरकार स्वामित्व योजना के हिस्से के रूप में भूमि रिकॉर्ड को डिजिटल रूप देने, खदानों तथा राजमार्ग निर्माण में ड्रोन सर्वेक्षण के उपयोग को अनिवार्य करने और कृषि में बदलाव के लिए ड्रोन शक्ति व किसान ड्रोन पहल को बढ़ावा देने के क्रम में ड्रोन के व्यापक उपयोग के माध्यम से इस तकनीक का प्रारंभिक उपयोग शुरू कर चुकी है। उपयोग के विविध क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए, अनुमान है कि देश में ड्रोन और संबंधित समाधानों का बाजार अगले 3-4 वर्षों में ?15,000 करोड़ से अधिक का हो जाएगा।

इस उभरते और रणनीतिक प्रौद्योगिकी क्षेत्र की क्षमता को स्वीकार करते हुए, सरकार ने इस दशक के अंत तक भारत को वैश्विक ड्रोन का हब बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसे ध्यान में रखते हुए, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने ड्रोन नियम 2021 से शुरू करते हुए, देश में ड्रोन के निर्माण और परिचालन को उदार बनाने के लिए कई नीतियों और विनियमों को पेश किया है। ड्रोन प्रौद्योगिकी की क्षमता, आपूर्ति और प्रसार को बढ़ाने के लिए उद्योग जगत को इसी समर्थन की आवश्यकता थी। इस क्षेत्र के द्वारा देश के युवाओं के लिए नए जमाने के रोजगार के अवसर भी पैदा किए जा रहे हैं। ड्रोन उद्योग के विकसित होने से निकट भविष्य में प्रत्यक्ष रोजगार के 10,000 से अधिक अवसरों के पैदा होने की संभावना है, जिनमें ड्रोन पायलट, डेटा विश्लेषक, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर विकास व विनिर्माण, रख-रखाव एवं रिपेयर तकनीशियन शामिल हैं।

एक बड़ा संभावित बाजार, सॉफ्टवेयर और समाधान संबंधी विकास में एक मजबूत ताकत तथा ड्रोन-सेवा प्रदाता के लिए तकनीकी कार्यबल की उपलब्धता आदि कारणों से भारत के पास ड्रोन-आधारित समाधान के निर्माण एवं वितरण के लिए उपयुक्त प्लेटफार्म और संसाधन मौजूद हैं।

नई ड्रोन और ड्रोन-प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों के परीक्षण के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी में विशिष्ट और सैंडबॉक्स परीक्षण स्थल बनाना तथा दृष्टि से परे (बीवीएलओएस) परिचालन जैसे जटिल संचालन का परीक्षण से जुड़े अवसर, इस विकास को गति दे सकते हैं एवं वैश्विक कंपनियों को आकर्षित कर सकते हैं।

भारत को कल-पुर्जों के निर्माण इकोसिस्टम (बैटरी, इलेक्ट्रिक मोटर, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स और सेंसर) को भी आकर्षित करना चाहिए, जिससे ड्रोन उत्पादों के निर्माण में और इसे बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी। इस प्रकार यह क्षेत्र विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होगा। ड्रोन, मुख्य रूप से मोबाइल फोन और बिजली चालित वाहनों का मिश्रण होता है, इसलिए इन क्षेत्रों में कल-पुर्जों के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि ड्रोन निर्माण को भी जरूरी बढ़ावा मिल सके।

भारत में ड्रोन क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल है। अगले कुछ वर्षों में ड्रोन को कितने बड़े पैमाने पर अपनाया जाता है, यह महत्वपूर्ण है। उद्योग जगत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ड्रोन अंतिम उपयोगकर्ता के लिए उपयोगी हो तथा एक जिम्मेदार व सुरक्षित तरीके से ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा मिले।

''लेखक एस्टेरिया एयरोस्पेस के निदेशक और सह-संस्थापक हैं'

उषो न जारः पृथु पाजो अश्रेद्दविद्युतद्दीद्यच्छोशुचानः।
वृषा हरिः शुचिरा भाति भासा धियो हिन्वान उशतीरजीगः।।

(ऋग्वेद ७-१०-१)

प्रातः कालीन उषा से स्नेह करने वाले विद्वान विद्या ग्रहण करके अपने अंदर प्रकाश का तेज प्राप्त करते हैं। ऐसे विद्वान बुद्धियुक्त कर्मों द्वारा दूसरों के दुखों को हरण करते हैं। ये तेजस्वी होते हैं और अन्य को जागृत करते हैं।

The scholars who love Usha (dawn) acquire the radiance of light within themselves by acquiring knowledge. Such scholars remove the miseries of others through their intelligent actions. They are brilliant and awaken others. (Rig Veda 7-10-1)

संदेश और जवाबी संदेश

बाइडेन ने चीन को संदेश दिया। तो चीन भी चुप नहीं बैठा। बल्कि अभी। क्वैड की शिखर बैठक चल ही रही थी कि रूस और चीन के लड़ाकू विमानों ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के ऊपर से साझा उड़ान भरी। टोक्यो शिखर बैठक से यह फिर साफ हुआ कि क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डायलॉग (क्वैड) क्वैड की भूमिका या एजेंडा अभी भी स्पष्ट नहीं है। यह तो बिल्कुल साफ है कि क्वैड फिलहाल सैनिक गठबंधन नहीं है। इसलिए एशिया प्रशांत क्षेत्र में इसकी नाटो जैसी भूमिका बनने की अभी कोई संभावना नहीं है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि यह वार्ता का एक मंच है, जिसका मकसद इसमें शामिल देशों को इस क्षेत्र के सुरक्षा संबंधी मुख्य मुद्दों पर चर्चा करने का मंच प्रदान करना है। खासकर सुरक्षा संबंधी उन मुद्दों पर जिनका संबंध चीन से है। टोक्यो शिखर बैठक में इस समूह में शामिल चारों देशों ने बिना नाम लिए चीन के बढ़ते प्रभाव रोकने का इरादा जताया। चीन की प्रतिक्रिया से जाहिर है कि जो संदेश टोक्यो से भेजा गया, उसे उसने उसी रूप में ग्रहण किया है। दरअसल, क्वैड की बैठक से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने ताइवान के मामले में दो टूक कहा कि ताइवान पर चीनी हमले की स्थिति में उसकी रक्षा करने के लिए अमेरिका वचनबद्ध है। हालांकि बाद ह्वाइट हाउस ने सफाई दी कि ताइवान के मामले में अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है, कहा जा सकता है कि बाइडेन ने जो कहा उससे चीन को इस बारे में स्पष्ट संदेश देने का अमेरिकी मकसद पूरा हो गया है। बहरहाल, बात संदेश की है, तो चीन भी चुप नहीं बैठा। बल्कि अभी जबकि क्वैड की शिखर बैठक चल ही रही थी कि रूस और चीन के लड़ाकू विमानों ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के ऊपर से साझा उड़ान भरी। इस घटना के के एक दिन बाद उत्तर कोरिया ने तीन मिसाइलें दाग दीं। तो यह कहा जा सकता है कि रूस, चीन, और उत्तर कोरिया ने अपने ढंग से अमेरिका को संदेश देने की कोशिश की है। उनका पैगाम है कि अगर अमेरिका और उसके साथी देशों ने इन देशों के मुख्य हित का उल्लंघन किया, तो ये देश भी युद्ध के लिए तैयार हैं। तो बात यहां तक आ पहुंची है। एशिया प्रशांत क्षेत्र पहले से ही तनावग्रस्त है। क्वैड की ताजा बैठक ने इसे और बढ़ा दिया है। इसके आगे बात किधर जाएगी, अभी अनुमान लगाना कठिन है। (आरएनएस)

सिद्धू मुसेवाला की याद में निकाला शांतिपूर्ण कैंडल मार्च

देहरादून (कासं)। सिद्धू मुसेवाला की याद में परेड ग्राउंड से गांधी पार्क तक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला गया। कुछ दिन पहले पंजाब के लोकप्रिय गायक एवं कांग्रेस के मानसा से पूर्व विधायक प्रत्याशी सिद्धू मूसेवाला की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई वह बहुत ही शर्मसार कर देने वाली घटना थी।

यूथ कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता अमनदीप सिंह बत्रा ने कहा कि यह घटना बहुत ही शर्मसार कर देने वाली घटना है। जिस प्रकार से पंजाब के अंदर आम आदमी पार्टी की सरकार है उनके द्वारा मुसेवाला की सिक्योरिटी को वापस लेने का कार्य किया गया १ दिन पहले सिक्योरिटी वापस ली गई एवं दूसरे दिन ही सिद्धू मूसेवाला के ऊपर यह हमला हुआ और हमले में मुसेवाला का देहांत हो गया। अमनदीप सिंह बतरा ने कहा कि हम इस हत्याकांड का पूरी तरह से कठोर निंदा करते हैं एंव पंजाब में बैठी आम आदमी पार्टी की सरकार से आग्रह करते हैं कि जल्द से जल्द दोषियों पर कार्रवाई कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष कांग्रेस लालचंद शर्मा, पुनीत कुमार सिंह, जस्सी, रक्षित, खुशगार, रिशब, हेमनत , राजीव, संचित, रानचित ने हिसा लिया ।

टैम्पों की टक्कर से महिला घायल

देहरादून (सं)। मार्निग वॉक को जा रही महिला को टैम्पों ने टक्कर मारकर गम्भीर रूप से घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू बस्ती राजपुर निवासी संजय ने डालनवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी सास सुबह मार्निग वॉक के लिए जा रही थी जब वह कैनाल रोड नालापानी के पास पहुंची तभी एक टैम्पों ने उनको अपनी चपेट में लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ट्रक की चपेट में आकर महिला की मौत

देहरादून (सं)। ट्रक की चपेट में आकर महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतका की बेटी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मियांवाला निवासी सोनाली नेगी ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मां राजकुमारी नेगी बाजार से घर की तरफ आ रही थी जब वह घर से थोडी दूरी पर ही थी कि एक ट्रक ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। जिनको जौलीग्रान्ट हास्पिटल में भर्ती कराया गया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मां की मृत्यु हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दो नाबालिग लापता

देहरादून (सं)। दो नाबालिग घर में बिना बताये चली गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार डांडी निवासी महिला ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बेटी 22 मई को घर से बिना बताये कहीं चली गयी। उन्होंने उसको काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। वहीं बंगाली बस्ती मायाकुण्ड निवासी व्यक्ति ने भी ऋषिकेश कोतवाली में अपनी नाबालिग बेटी के घर से बिना बताये कहीं चले जाने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुकान के बाहर से स्कूटी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने दुकान के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईदगाह निवासी हरीश गुप्ता ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से चकराता रोड स्थित गुप्ता मेडिकल शॉप पर गया था तथा उसने अपनी स्कूटी दुकान के बाहर खडी कर दी। थोडी देर बाद जब वह बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पॉलिटेक्निक कॉलेजों में कोटीकरण की पुरानी व्यवस्था हुई लागू, मोर्चा की बड़ी जीतःनेगी

नगर संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि पॉलिटेक्निक कॉलेजों एवं प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के कार्मिकों के वार्षिक स्थानांतरण नीति के तहत निर्धारित सुगम- दुर्गम क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण को लेकर सबसे पहले मोर्चा द्वारा लड़ाई लड़ी गई थी तथा इस मामले को मोर्चा द्वारा शासन के समक्ष दिए रखा गया था, जिस के क्रम में निदेशक प्राविधिक शिक्षा द्वारा पूर्व की स्थिति (वर्ष 2018) के आधार पर दुर्गम दर्शाए गए कॉलेजों को सुगम तथा सुगम दर्शाए गए कॉलेजों को दुर्गम मे तब्दील कर दिया गया, जोकि मोर्चा की बहुत बड़ी जीत है।

नेगी ने कहा कि राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेजों एवं प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के कार्मिकों के कोटिकरण में अव्यवहारिक परिवर्तन किया गया था, जो किसी भी दृष्टि से व्यवहारिक नहीं था। जनपद पौड़ी को (नगर पालिका कोटद्वार एवं भाबर क्षेत्र को छोड़कर) दुर्गम क्षेत्र दर्शाया गया था, जबकि श्रीनगर (पौड़ी) में मेडिकल कॉलेज, एनआईटी, सेंटर यूनिवर्सिटी एवं पॉलिटेक्निक निदेशालय नेशनल हाईवे पर स्थित हैं तथा पौड़ी में गढ़वाल कमिश्नरी एवं इंजीनियरिंग कॉलेज है, लेकिन इसको दुर्गम दर्शाया गया था। इसी प्रकार जनपद नैनीताल में उच्च न्यायालय, कुमाऊं कमिश्नरी, कुमाऊं यूनिवर्सिटी आदि विद्यमान हैं, लेकिन इनको भी दुर्गम दर्शाया गया था। जनपद अल्मोड़ा में मेडिकल कॉलेज व जिला मुख्यालय स्थित है, लेकिन इसको भी दुर्गम दर्शाया गया और इसी कड़ी में जनपद टिहरी मुख्यालय को दुर्गम एवं नरेंद्रनगर टिहरी, जहां पर पांच सितारा होटल मौजूद है, उसको दुर्गम दर्शाया गया था। नेगी ने कहा कि इस प्रकार के अव्यवहारिक निर्धारण से सिफारिश विहीन कार्मिक का शोषण हो रहा था। पत्रकार वार्ता में विजय राम शर्मा एवं सत्येंद्र सिंह रावत मौजूद थे।

कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार महिला घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार महिला घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिव शक्ति एन्क्लेव गुलरघाटी निवासी श्रीमती कुसुमलता नौडियाल अपने स्कूटी से बाजार से घर की तरफ जा रही थी जब वह नेहरू ग्राम के पास पहुंची तभी तेज गति से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी कार चालक वहां से फरार हो गया।

पुलिस ने महिला के बेटे पंकज नौडियाल की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर निकाली आजादी गौरव यात्रा का समापन

नगर संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस सेवादल प्रदेश प्रवक्ता अशोक मल्होत्रा ने बताया के आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर डांडी गुजरात से राजघाट दिल्ली तक होने वाली आजादी गौरव यात्रा में उत्तराखंड कांग्रेस सेवा दल के महासचिव नीरज त्यागी के नेतृत्व में उत्तराखंड कांग्रेस सेवा दल के लगभग 150 साथियों ने आज 1 जून को यात्रा समापन में भाग लिया।

उन्होने बताया कि इसमें मुख्य रूप से उत्तराखंड कांग्रेस सेवादल प्रदेश अध्यक्ष राजेश रस्तोगी, युवा अध्यक्ष अजय किशोर भंडारी, महानगर अध्यक्ष सावित्री थापा, जिलाध्यक्ष हरिद्वार अर्जुन चौहान, राजेंद्र दुर्गापाल, कुलदीप शर्मा प्रदेश प्रवक्ता अशोक मल्होत्रा व अन्य साथी उपस्थित रहे। यात्रा का उद्देश्य जाति-धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर राष्ट्र को जोड़ने और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेकर 1215 किलोमीटर यात्रा की गई, जिसमें 60 दिन का समय लगा यात्रा गुजरात, राजस्थान, हरियाणा से होते हुए दिल्ली पहुंची। इस पूरी यात्रा का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस सेवा दल श्री लालजी भाई देसाई ने करा यात्रा का समापन अखिल भारतीय कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी व राहुल गांधी की उपस्थिति में हुआ।

पर्यटक कर सकेंगें आज से 'फूलों की घाटी' के दीदार

हमारे संवाददाता

चमोली। विश्व विख्यात और यूनेस्को की विश्व धरोहर फूलों की घाटी पर्यटकों के लिए आज से खुलने जा रही है। फूलों की घाटी एक जून से अक्टूबर तक पर्यटकों के लिए खुली रहेगी और पर्यटकों का स्वागत करेगी।

चमोली जिले में स्थित विश्व धरोहर फूलों की घाटी है। बताया जाता है कि यहां पर प्राकृतिक रूप से 500 से अधिक प्रजाति के फूल खिलते हैं। फूलों की घाटी जैव विविधिता का खजाना है। इस घाटी को वर्ष 1982 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित करने के बाद यूनेस्को ने 2005 में इसे विश्व प्राकृतिक धरोहर का दर्जा दिया था। यहां देखने के लिए सबसे खूबसूरत फूल ब्रह्म कमल है, जिसे उत्तराखंड का राज्य फूल भी कहा जाता है। पूरी घाटी दुर्लभ और विदेशी हिमालयी वनस्पतियों से समृद्ध है।

सचिव पर्यटन दिलीप जावलकर के अनुसार विभागीय स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बताया कि समुद्रतल से 3962 मीटर ऊंचाई पर यह घाटी 87. 5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली है। फूलों की घाटी नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व में आती है। घाटी की खोज वर्ष 1932 में ब्रिटिश पर्वतारोही व वनस्पति शास्त्री फ्रैंकस्मित ने की थी। वर्ष 1937 में फ्रैंकस्मित ने वैली आफ फ्लावर नामक पुस्तक लिखकर अपने अनुभवों को दुनिया के सामने रखा। फूलों की घाटी में 17 किलोमीटर लंबा ट्रेक है, जो 10 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित घांघरिया से शुरू होता है।

जोशीमठ के पास एक छोटी सी बस्ती गोविंदघाट से ट्रेक के जरिये पहुंचा जा सकता है। फूलों की घाटी में प्रवेश करने के लिए नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान की ओर से ऑफलाइन माध्यम से अनुमति दी जाती है।

कांग्रेस के सारे दावेदार एक कमेटी में

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नव संकल्प शिविर के संकल्पों को लागू करने के लिए तीन महत्वपूर्ण कमेटियों का गठन किया है। एक कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति है। दूसरी 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिए बनाई गई टास्क फोर्स है और एक भारत जोड़ो यात्रा के समन्वय की कमेटी है। इसमें चुनाव की तैयारी वाली कमेटी के प्रमुख पी चिदंबरम हैं। ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस के राज्यसभा सीट के जितने भी दावेदार हैं सब इसी कमेटी में रख दिए गए हैं। कमेटी के अध्यक्ष पी चिदंबरम की राज्यसभा का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है और वे भी दावेदार हैं। पी चिदंबरम अभी महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद हैं। इस बार अभी तक तय नहीं है कि वे महाराष्ट्र से ही उच्च सदन में जाएंगे या अपने गृह राज्य तमिलनाडु से उनको भेजा जाएगा। ध्यान रहे डीएमके ने इस बार एक सीट कांग्रेस के लिए छोड़ी है। चिदंबरम के कमेटी में दूसरा नाम मुकुल वासनिक का है। वे पिछले 20 साल से पार्टी के महासचिव हैं। पांच साल के लगातार कार्यकाल के बाद पद छोडने के नियम के मुताबिक उनको महासचिव पद छोडना है। वे काफी अरसे से राज्यसभा में जाने की उम्मीद कर रहे हैं। इस बार संभव है कि उनको अपने गृह प्रदेश महाराष्ट्र से मौका मिले। चिदंबरम की कमेटी में तीसरा नाम जयराम रमेश का है। वे कर्नाटक से राज्यसभा सांसद हैं। उनका भी कार्यकाल खत्म हो रहा है और वे एक बार फिर कर्नाटक से ही उच्च सदन में भेजे जाने की उम्मीद कर रहे हैं। चिदंबरम की तरह ही रमेश का भी राज्यसभा जाना लगभग पक्का माना जा रहा है। चौथा नाम केसी वेणुगोपाल का है, जो पहले से राज्यसभा में हैं। पांचवा नाम अजय माकन का है। वे पार्टी के महासचिव हैं और राजस्थान के प्रभारी हैं। इस बार वे भी राज्यसभा की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि राजस्थान से पहले ही मनमोहन सिंह और केसी वेणुगोपाल के रूप में दो बाहरी नेता सांसद हैं। टास्क फोर्स में छठा नाम प्रियंका गांधी वाड्रा का है। वे खुद पता नहीं राज्यसभा सीट चाहती हैं या नहीं लेकिन पार्टी के अनेक नेता और उनके करीबी उनको छत्तीसगढ़ से राज्यसभा भेजना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी ऐसा चाहते हैं। इस कमेटी में सातवां नाम रणदीप सुरजेवाला का है, जो किसी तरह से उच्च सदन में जाने के लिए हाथ-पैर मार रहे हैं। उनके गृह प्रदेश हरियाणा में एक सीट कांग्रेस को मिलेगी लेकिन सबको पता है कि अगर पार्टी ने सुरजेवाला को हरियाणा भेजा तो भूपेंदर सिंह हुड्डा का खेमा उनको जीतने नहीं देगा। इसलिए वे किसी और राज्य से राज्यसभा की सदस्यता के लिए प्रयास कर रहे हैं। आनंद शर्मा एकमात्र दावेदार हैं, जो इस कमेटी में नहीं हैं। उनको राहुल गांधी के साथ राजनीतिक मामलों की कमेटी में रखा गया है। (आरएनएस)

महंगाई रोकने की चुनौती

चुनौती मूल्य नियंत्रण के उपाय करके यह सुनिश्चित करने की है कि टैक्स कटौती के लाभ आम उपभोक्ता तक पहुंचे। ऐसा नहीं हुआ, तो राजकोष की कीमत पर कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा, जबकि महंगाई जस की तस बनी रहेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उचित ही यह कहा कि आरबीआई जून में फिर से ब्याज दरें बढ़ाएगा, यह समझने के लिए बहुत ज्यादा दिमाग लगाने की जरूरत नहीं है। अब जबकि यूरोपियन सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने भी ब्याज दरों बारे में अपनी नीति को पलटने का एलान दिया है, तो पारंपरिक समझ के अनुसार भारत जैसे उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों के सामने इसके अलावा कोई चारा भी नहीं रह गया है। अब तक दुनिया के वित्तीय और मौद्रिक बाजार अमेरिकी सेंट्रल बैंक- फेडरल रिजर्व के ब्याज दरें बढ़ाने से हिचकोले खा रहे थे। ईसीबी की नीति अब एक नई स्थिति पैदा करेगी। गौरतलब है कि ईसीबी ने 2014 से नकारात्मक ब्याज दर की नीति अपना रखी थी। इस वक्त वहां ब्याज दर माइनस 0.5 प्रतिशत है। यानी सौ रुपये बैंक में रखने पर जमाकर्ता को 50 पैसे का ब्याज देना पड़ता है। लेकिन अब ईसीबी की प्रमुख क्रिस्टीन लगार्ड ने कहा है कि ये नीति समाप्त की जा जाएगी। संभावना जताई गई है कि शुरुआत में ईसीबी अगले जुलाई में ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करेगा।

ये खबर आते ही यूरोपियन यूनियन क्षेत्र की मुद्रा यूरो के भाव में बढ़ोतरी देखी गई, जिसमें यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से लगातार गिरावट का रुख था। बहरहाल, यह भारत जैसे देश के लिए नई चुनौती है। इसका परिणाम यह होगा कि निवेशकों को अब यहां से पैसा निकाल कर लगाने के लिए अमेरिका के अलावा एक और बाजार मिल जाएगा। ऐसे में आरबीआई का ब्याज दर बढ़ाने की राह पर आगे बढना एक स्वाभाविक अनुमान है। मगर असल सवाल यह है कि क्या उससे भारत में महंगाई रोकने में मदद मिलेगी? शक्तिकांत दास ने कहा है कि आरबीआई ब्याज दर बढ़ाने के साथ ही कुछ वित्तीय उपायों की घोषणा भी करेगा। मसलन, अभी जैसे पेट्रोल-डीजल और कुछ आयातों पर टैक्स घटाया गया है, वैसे कदम और उठाए जा सकते हैं। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

रोजाना रात को सोने से पहले करें ये ब्रीथिंग एक्सरसाइज, आएगी बेहतर नींद

नींद हमारे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चौन की नींद सोने से शरीर तरोताजा महसूस करता है और इससे कई अन्य स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। इसके विपरीत अगर किसी कारणवश नींद ठीक से पूरी न हो पाए तो शरीर कई बीमारियों से घिर सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी ब्रीथिंग एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें रात को सोने से पहले कुछ मिनट करने से आपको बेहतर नींद मिल सकती है।

लिप ब्रीथिंग एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज को अगर आप रात को सोने से पहले कुछ मिनट अपने बिस्तर पर किसी भी आरामदायक मुद्रा में बैठकर करते हैं तो यकीनन यह जल्दी असर करेगी और आपको बेहतर नींद आएगी। लिप ब्रीथिंग करने के लिए नाक से सामान्य तरीके से सांस लें। इसके बाद होंठों से सांस को इस तरह धीरे-धीरे छोड़ें जैसे केक पर लगी मोमबत्तियों को बुझाने के लिए फूंक मारी जाती है। इस क्रम को आप पांच से छह बार दोहरा सकते हैं।

डायाफ्रामिक ब्रीथिंग

इस एक्सरसाइज के लिए किसी समतल और शांत जगह पर सीधे बैठ जाएं या फिर बिस्तर पर पीठ के बल लेट जाएं। अब अपना एक हाथ सीने पर और दूसरा पेट पर रखें। इसके बाद नाक से सामान्य तरीके से ऐसे सांस लें कि पेट ज्यादा से ज्यादा अंदर की ओर सिकुड़े और फिर धीरे-धीरे नाक से सांस छोड़ें। इस एक्सरसाइज को एक से दो मिनट दोहराने के बाद सामान्य हो जाएं।

4-7-8 ब्रीथिंग एक्सरसाइज

इस ब्रीथिंग एक्सरसाइज को करने के लिए सबसे पहले अपने बिस्तरे पर बैठें या लेटें। इसके बाद अपने मुंह से सांस छोड़ते हुए एक तेज ध्वनी के साथ आवाज निकालें, फिर मुंह बंद करें और नाक से सांस को अंदर लेते हुए मन ही मन चार तक की गिनती पूरी करें। अब सात सेकंड तक सांस रोककर रखें और फिर से इसे मुंह खोलकर सांस छोड़ें। इस प्रक्रिया को चार बार दोहराएं।

भ्रामरी ब्रीथ एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज के लिए सबसे पहले अपने बिस्तरे पर किसी आरामदायक मुद्रा में बैठें। अब अपने दोनों हाथों को कोहनियों से मोडक़र अपने कानों के पास लाएं और अंगूठों से अपने दोनों कानो को बंद करें। अब हाथों की तर्जनी उंगलियों को माथे पर और मध्यमा, अनामिका और कनिष्का उंगली को बंद आंखों के ऊपर रखें। अब मुंह बंद करके नाक से सांस लेते हुए ओम का उच्चारण करें। कुछ मिनट बाद धीरे-धीरे आंखे खोलें और एक्सरसाइज को छोड़ दें।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जल्दी पहुंचने के लिए रनवे 34 शुरू

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन के तहत निर्देशित एविएशन थ्रिलर फिल्म रनवे 34 अपने नाटकीय प्रदर्शन के बाद प्राइम वीडियो पर डिजिटल सब्सक्रिप्शन से पहले शुरूआती पहुंच के लिए उपलब्ध है।

सच्ची घटनाओं से प्रेरित, फिल्म कैप्टन विक्रांत खन्ना (अजय देवगन द्वारा अभिनीत) की कहानी का अनुसरण करती है, जो एक फ्लाइंग प्रॉडिजी है, जिसकी उड़ान एक अंतरराष्ट्रीय गंतव्य से उड़ान भरने के बाद एक रहस्यमयी रास्ता लेती है। कहानी का अत्याधुनिक दृश्य उपचार, एक क्रिस्प कहानी और पटकथा फिल्म को एक आकर्षक बनाती है।

फिल्म में अमिताभ बच्चन, रकुल प्रीत सिंह, बोमन ईरानी, अंगिरा धर और आकांक्षा सिंह भी हैं। ओटीटी पर अर्ली एक्सेस के विकास पर टिप्पणी करते हुए, अजय देवगन ने कहा- रनवे 34 मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है और मैं अमेजॅन प्राइम वीडियो पर मूवी रेंटल के माध्यम से दर्शकों को फिल्म तक जल्दी पहुंच प्रदान करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं जो भी फिल्म बनाता हूं उसका इरादा इसे ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाने का होता है।

उन्होंने कहा- सेवा के माध्यम से, फिल्म देश के हर कोने से फिल्म प्रेमियों के लिए उपलब्ध होगी, जो अपनी पसंद के समय और डिवाइस पर मूवी स्ट्रीमिंग का आनंद ले सकते हैं। जो लोग थिएटर में फिल्म देखने से चूक गए हैं, उनके लिए आप अपने दोस्तों और परिवार के साथ घर पर मूवी देखने के लिए मिल सकते हैं। अपने प्रशंसकों के लिए एक विशेष दावत के रूप में, मैं फिल्म से कुछ पहले से अप्रकाशित फुटेज साझा करने के लिए उत्साहित हूं, मुझे आशा है कि आप इसे पसंद करेंगे।

शब्द सामर्थ्य -088

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

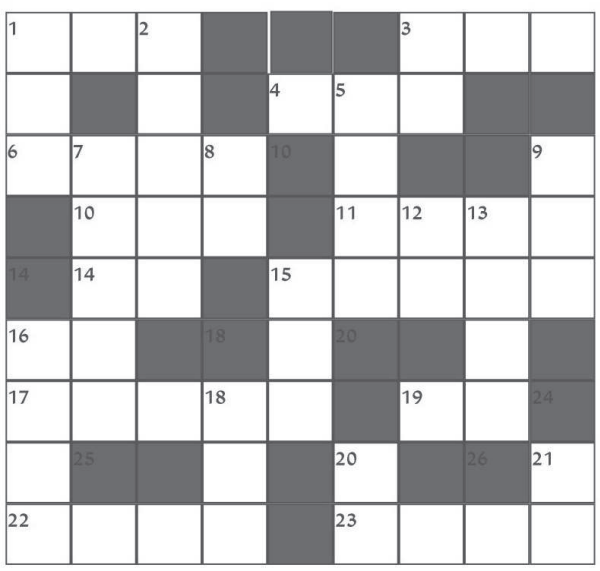

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 087 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

कमल हासन की नई फिल्म विक्रम को मिला यू/ए सर्टिफिकेट

लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित तमिल सुपरस्टार और राजनेता कमल हासन की नवीनतम फिल्म विक्रम को सेंसर बोर्ड ने यू/ए सर्टिफिक्रेट दिया है। फिल्म 2022 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इसमें कमल हासन के साथ विजय सेतुपति और फ्हद फाजिल प्रमुख भूमिकाएं निभा रहे हैं। तमिल अभिनेता सूर्या एक कैमियो भूमिका निभा रहे हैं। लोकेश कनगराज ने फिल्म का निर्देशन किया है, जो कैथी जैसी फिल्मों के साथ लोकप्रियता हासिल कर चुके हैं। कार्तिक और विजय अभिनीत मास्टर उनकी सुपर डुपर हिट फिल्म थीं। निर्देशक ने ट्वीट कर कहा- विक्रम को सेंसर बोर्ड से यू/ए सर्टिफिक्रेट मिला है। कमल हासन ने कान फिल्म फेस्टिवल 2022 में घोषणा की थी कि फिल्म नॉन-फंगिबल टोकन (एनएफटी) में होगी और मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर होगी। विक्रम एक एक्शन थ्रिलर है और इसके 3 जून को स्क्रीन पर आने की उम्मीद है।

श्वेता तिवारी के साथ जादो मैं तेरे कोल सी में काम करके खुश है सौरभ राज जैन

अभिनेता सौरभ राज जैन हाल ही में रिलीज हुए रोमांटिक ट्रैक जादो मैं तेरे कोल सी में श्वेता तिवारी के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने लोकप्रिय अभिनेत्री श्वेता तिवारी के साथ शूटिंग का अपना अनुभव साझा किया। सौरभ कहते हैं कि जब मैंने पहली बार गाने को सुना तो मुझे बहुत अच्छा लगा। श्वेता जी के साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। मुझे यह पसंद है कि यह गाना हम सभी के लिए कितना प्रासंगिक है जो हमारे दैनिक जीवन में फंस गए हैं और इतना काम करते हैं कि हम रिश्तों और अपने साथी को महत्व देना भूल जाते हैं। रूढ़िवादिता को तोडने और पौराणिक और ऐतिहासिक से युवा कंटेंट की ओर जाने के बारे में बात करते हुए, वे कहते हैं कि यही चुनौती है और मैं चुनौतियों के लिए तैयार हूं! कोई भी चीज जो लोगों को आश्चर्यचकित करती है कि मैं इसे कैसे दूर करूंगा, जो मुझे और अधिक उत्साहित करेगी, एक अभिनेता होने के बारे में यह बहुत अच्छी बात है। सौरभ ने रीमिक्स, उतरन, महाकाली, महाभारत, चंद्रगुप्त मौर्य आदि जैसे शो किए हैं, साथ ही टेलीविजन पर कई लोकप्रिय शो की एंकरिंग की है और साथ ही अपने शुरूआती दिनों में एक आरजे भी रहे हैं।

आशीष दीक्षित को परिणीति में विक्रम कक्कड़ की भूमिका निभाने में आ रहा मजा

आशीष दीक्षित का कहना है कि वह इस समय टीवी शो परिणीति में विक्रम कक्कड़ की भूमिका निभाने का आनंद ले रहे हैं।

उन्होंने कहा, मेरी भूमिका इतनी रचनात्मक है कि इसमें अभिनय करने के लिए सभी तरह की भावनाएं हैं। चाहे वह भाई, एक जिम्मेदार बेटा या रोमांटिक व्यक्ति हो। वह मां, पिता, बहन या ताईजी जैसे परिवार में अलग-अलग व्यक्तियों के साथ एक अलग बंधन साझा करता है। इसलिए मुझे शो में अपनी भूमिका निभाने में मजा आ रहा है।

आशीष, जो इससे पहले कौन है?, आप के आ जाने से, गुमराह रू एंड ऑफ इनोसेंस जैसे शो में काम कर चुके हैं, का कहना है कि मुझे इस तरह की भूमिकाएं पसंद हैं, जो दर्शकों के लिए बहुत मजबूत और मनोरंजक हैं।

उन्होंने आगे कहा, एक अभिनेता के रूप में मैं हमेशा मजबूत, आशाजनक और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं की तलाश करता हूं। मैं चाहता हूं कि मेरे दर्शक मुझे देखते हुए मनोरंजन महसूस करें औरे मेरे दृश्यों का इंतजार करें। मुझे खुशी है कि मैं जिस भूमिका में हूं, उसमें कई विविधताएं हैं और एक बड़ा ग्राफहै।

आशीष को अकीरा और धूप छांव जैसी बॉलीवुड फिल्मों में भी देखा गया था।

उल्का गुप्ता नए शो बन्नी चाउ होम डिलीवरी में हुई शामिल

टेलीविजन शो झांसी की रानी में अपनी भूमिका के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री उल्का गुप्ता को नए शो बन्नी चाउ होम डिलीवरी के लिए साइन किया गया है। यह शो एक मजबूत और उग्र लडक़ी, बन्नी की यात्रा के बारे में है, जो एक खाद्य वितरण व्यवसाय चलाती है, जहां वह उन लोगों के लिए घर का खाना बनाती है जो नौकरी की तलाश में शहर चले गए हैं।

आपको बता दे छह साल के अंतराल के बाद उल्का पर्दे पर वापसी कर रही हैं। छोटे पर्दे पर अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए उल्का कहती हैं, यह एक पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया थी जिसके साथ मैंने खुद को बहने दिया। बॉलीवुड और डाउन साउथ में कुछ फिल्में करने के बाद, बन्नी चाउ होम डिलीवरी सही अवसरों में से एक थी। मैंने इसके साथ वापसी करने का फैसला किया।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मेरे ग्राफऔर अनुभव को ध्यान में रखते हुए, बन्नी एक ऐसी चुनौतीपूर्ण भूमिका है जिसे मैं अपने प्रशंसकों के लिए निभाना चाहूंगी।

उल्का को प्रविष्ट मिश्रा के साथ कास्ट किया गया है, जो युवान नामक एक विकलांग चरित्र की भूमिका निभाएगा। बन्नी चाउ होम डिलीवरी 30 मई से हर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे शुरू हुई। स्टार प्लस पर।

व्हाइट ड्रेस में हुमा कुरैशी ने बढ़ाया सोशल मीडिया का पारा

बॉलीवुड में अपने बेहतरीन और बेबाक अभिनय के लिए मशहूर एक्ट्रेस हुमा कुरैशी इन दिनों मेकर्स की पहली पसंद बनी हुई हैं और वह अपना नाम इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में दर्ज करवा चुकी हैं। उन्होंने ने अपनी एक्टिंग से तो करोड़ों दर्शकों का दिल जीता ही है, साथ ही इन दिनों वह अपने ट्रेडिशनल लुक से लोगों को दीवाना कर रही हैं।

हुमा कुरैशी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर व्हाईट वन पीस ड्रेस में अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में हुमा कुरैशी का अंदाज देख फैंस उनकी तारीफकरते नहीं थक रहे हैं।

हुमा कुरैशी ने वेस्टर्न इयरिंग के साथ अपने लुक को सिंपल और स्टाइलिश रखा है। इसके साथ ही उन्होंने अपने सिल्की बालों को खुला रखा है। हुमा कुरैशी ने अपनी प्यारी सी मुस्कान से फैंस के दिलों की धडक़ने बढ़ा दी हैं।

हुमा कुरैशी ने हर फोटो में अलग-अलग अंदाज में पोज दिए हैं। कभी चेहरे पर बड़ी सी स्माइल लिये हैं, तो कभी फुल ऑन एटिट्यूड दिख रहा है।

जल्द आएगा राजनीति का सीक्वल, प्रकाश झा ने कर ली तैयारी

प्रकाश झा एक बार फिर अपनी वेब सीरीज आश्रम को लेकर सुर्खियों में है। इस सीरीज में बॉबी देओल मुख्य किरदार बाबा निराला बने हुए हैं। पहले पार्ट से ही सीरीज ने खूब धमाका किया था। प्रकाश झा की इस सीरीज ने बॉबी देओल का करियर ही बदल दिया था। इसके बाद से ही वो कई और प्रोजेक्ट्स में नजर आ रहे हैं। लेकिन वहीं बात करें प्रकाश झा कि तो वो वेब सीरीज से पहले अपनी धमाकेदार फिल्मों के लिए जाने जाते रहे हैं। उनकी फिल्मों की लिस्ट में गंगाजल, अपहरण और राजनीति जैसी फिल्मी हैं। उन्होंने इन फिल्मों में से अपना खूब नाम बनाया है। इसी के चलते उनसे आगे भी इन फिल्मों के सीक्वल की मांग की जाती रही है।

अब फिल्ममेकर ने अपनी ही फिल्म राजनीति का सीच्ल बनाने के बारे में सोचा है। हालांकि सीच्ल को लेकर भी अभी वो दो नावों में फंसे है। वो एक आइडिया पर स्थिर नहीं हो पाए हैं।

उन्होंने कहा, मुझे नए विषयों पर काम करना पसंद है। राजनीति एक ऐसा विषय है जिसका एक और हिस्सा है, जो लिखा गया है। लेकिन, आप जानते हैं, राजनीति के क्षेत्र में इतने सारे बदलाव हुए हैं, तो हो सकता है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है। कुछ नए सबजेक्ट्स हैं जिन पर मैं काम कर रहा हूं। उनके इस साक्षात्कार से इतना तो स्पष्ट हो गया है कि उन्होंने राजनीति के सीक्वल की पटकथा पहले से ही तैयार कर ली थी लेकिन इन दिनों राजनीति में जिस तरह से बदलाव हुए हैं वो उस हिसाब से फिल्म को पेश करना चाहते हैं और नई तरह से फिल्म पर काम करना चाहते हैं। फिलहाल तो प्रकाश झा का सारा फोकस आश्रम 3 पर है।

जीना जरूरी है गाना देखने के बाद फैंस के आंसू छलक पड़े!

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री एक साल पहले आई चुनौतियों से उबर रही है। संगीत का कारोबार भी लंबा खिंच रहा है। इस समय के दौरान, रोमांटिक संगीत वीडियो ने अपने सभी रंगों में प्रेम की कई कहानियों का अनावरण किया है। सुरेश भानुशाली और फोटोफिट म्यूजिक ने एक और आकर्षक रोमांटिक गीत जीना जरूरी है दर्शको के लिए प्रस्तुत किया है । यह गाना आपका दिल चुरा लेगा क्योंकि यह विशाल कोटियन और फोटोफिट म्यूजिक द्वारा सिद्धार्थ शुक्ला को पूरे दिल से श्रद्धांजलि में बनाया गया एक विशेष गीत है।गाने को फोटोफिट म्यूजिक लेबल के तहत रिलीज किया गया था, अब तक म्यूजिक वीडियो को प्रशंसकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। सुरेश भानुशाली और फोटोफिट म्यूजिक के गाने ने विशाल कोटियन और दीपिका त्रिपाठी के साथ म्यूजिक वीडियो में नजर आए दिग्गज अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के लिए दर्शकों को भावनाओं से भर दिया है।

जीना जरूरी है की चर्चा निश्चित रूप से संगीत जगत में हिट है, विभिन्न लोगों ने रिलीज पर अपनी व्यक्तिगत राय व्यक्त की है। अभिनेता विशाल कोटियन कहते हैं, हर अभिनेता का काम जारी किया जाना चाहिए, और मुझे यकीन है कि सिद्धार्थ का प्रशंसक वास्तव में स्टार और उनके काम को देखना चाहता है। यह विषय अब ट्रेंड कर रहा है और फोटोफिट म्यूजिक द्वारा जारी इस गीत जीना जरूरी है के लिए प्रशंसक अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए गीत में अपने चहेते कलाकार सिद्धार्थ शुकला को देख भावुक हो रहे है। इस गाने को ओडिशा के रमणीय स्थानों में स्वर्गीय सिद्धार्थ शुक्ला, लोकप्रिय पूर्व-बिग बॉस प्रतियोगी विशाल कोटियन और दीपिका त्रिपाठी के साथ शूट किया गया है। यह गीत एक दिव्य प्रेम कहानी और भाईचारे के बारे में बताता है, जिसे गायक शबाब शबरी द्वारा खूबसूरती से चित्रित किया गया है। जीना जरूरी है ने निस्संदेह सिद्धार्थ शुकला के प्रशंसकों के दिलो में एक अलग जगह बनायीं है।

जीना जरूरी है एक जादुई, लुभावनी कहानी है जो विशिष्ट बिंदुओं पर चलती है और मनोरंजक भी है, और रहस्य और ट्विस्ट से भरी हुई है। यह गीत वास्तव में प्रेम को शाश्वत के रूप में चित्रित करता है और जीवन भर के लिए रहता है। गाने की कास्ट प्यार के भावनात्मक पहलू को उकेरती है जिसे बहुत गहराई से महसूस किया जा सकता है। हमारी यादों में एक सितारा, सिद्धार्थ शुक्ला, पूर्व-बिग बॉस प्रतियोगी, और विजेता, प्रसिद्ध विशाल कोटियन के साथ, जो वर्तमान बिग बॉस सीजन का हिस्सा थे और बीरबल के रूप में अपने चरित्र के लिए प्रमुख रूप से जाने जाते थे, दोनों ही कलाकारों के बीच उनके संघर्ष के दिनों से बेहद असाधारण और ठोस बंधन थे और जीना जरूरी है में भाइयों के रूप में प्रदर्शित किया गया हैसुरेश भानुशाली और फोटोफिट म्यूजिक ने पहले ही दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के गीत जीना जरूरी है के बारे में प्रभावी ढंग से चर्चा की है, जिसने लाखों दिलों को जीत लिया है।

उत्तर प्रदेश के सम्यक विकास और आत्मनिर्भरता का बजट

सियाराम पांडेयशांत

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश कर दिया। गत वर्ष यह बजट 5.5 लाख करोड़ का था।इस बार यह बढक़र 6.15 लाख करोड़ से भी अधिक हो गया है।इसमें शक नहीं है कि बजटीय आकार निर्धारण में योगी सरकार का कोई सानी नहीं है। हर साल वह अपना रिकार्ड तोड़ देती है। इस साल भी उसने कुछ ऐसा ही किया है । विपक्ष इसे आंकड़ों की बाजीगरी कह रहा है। घिसा-पिटा बता रहा है। निराश करने वाला बता रहा है।बजट को लेकर जितने मुंह-उतनी बातें हो रही हैं। केंद्र का बजट हो या राज्य का,उस पर प्रतिक्रियाएं कुछ ऐसी ही आती हैं।सत्ता से जुड़े लोग उसकी सराहना करते हैं और विपक्ष उसे नकार देता है।इससे इतनी बात तो साफ है कि बड़े से बड़ा बजट भी सबकी संतुष्टि की गारंटी नहीं है। यह तो वही बात हुई कि किसी ने लिखी आंसुओं की कहानी,किसी ने पढ़ा सिर्फ दो बूंद पानी।

बजट दरअसल विकास योजनाओं को गति देने,उसे निर्बाध संचालित करने की आर्थिक संरचना भर है।अगर केवल धन से ही विकास होता तो उत्तरप्रदेश में जाने कितने बजट अलग-अलग सरकारों के स्तर पर पेश हुए हैं और सबका आर्थिक आकार पहले से बड़ा रहा है । इस लिहाज से विकास हुआ होता तो आज उत्तर प्रदेश की तस्वीर कुछ और होती।वहीँ प्रति व्यक्ति आय देश में सर्वाधिक होती। हर शहर अपने में बेहद स्मार्ट होता। हर गांव विकास के मायने में आदर्श होता। गांवों को गोद लेने की अपील नहीं करनी पड़ती। पूर्व की सरकारों में हर विभाग के लिए बजट तो जारी हो जाता था लेकिन वह खर्च ही नहीं हो पाता था। मार्चमें उसे खर्च करने की आपाधापी मचती थी।संतोष किया जा सकता है कि इस सरकार में बजट लैप्स होने के मामले घटे हैं लेकिन भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस शत-प्रतिशत पूरा नही हो सका है।

विकास के लिए विजन जरूरी होता है। ईमानदारी जरूरी होती है। भ्रष्टाचार की एक मछली व्यवस्था के समूचे तालाब को गंदा कर देती है।इस बात पर भी गौर करने की जरूरत है।इस बजट के जरिए सरकार ने जहां हर क्षेत्र में विकास के अवसर तलाशने का काम किया है,वहीं अपने एजेंडों को आगे बढऩे का सम्यक प्रयास भी वह इस बजट में शिद्दत के साथ करती नजर आती है।धार्मिक स्थलों के विकास और वहां अवस्थापना सुविधाओं के विकास में धन की कमी आड़े न आने देने का उसका संकल्प इस बजट में बखूबी प्रतिध्वनित होता है।

बजट में सत्तारूढ़ दल की कोशिश सबका साथ और सबका विकास की होती है और विपक्ष की कोशिश उसे सिरे से खारिज करने की होती है। सारा खेल दरअसल श्रेय और प्रेय का है।और इस खेल में अब न चूक चौहान की मुद्रा में सभी होते हैं। उत्तरप्रदेश विधानसभा में एक दिन पहले अखिलेश यादव और केशव मौर्य को नसीहतों की घुट्टी पिलाने वाले योगी आदित्यनाथ का दोस्ताना अंदाज यह बताने के लिए काफी था कि राजनीति में कोई भी भाव स्थायी नही होता। वहां जब जैसा तब तैसा का सिद्धांत ही काम करता है। वैसे यह तो माना ही जाएगा कि योगी सरकार ने भारी-भरकम बजट के जरिए आर्थिक विकास का मास्टर स्ट्रोक जड़ दिया है।साथ ही यह भी बताने-जताने की कोशिश की है कि वर्ष 2016-17 में पेश तत्कालीन अखिलेश सरकार के 3.46 लाख करोड़ के बजट से यह 2 गुना बड़ा है।

युवाओं की शिक्षा, रोजगार, महिलाओं और किसानों के सशक्तिकरण, कानून-व्यवस्था के साथ-साथ राज्य के चहुंमुखी विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। योगी सरकार का पिछला बजट 5,50,270.78 करोड़ रुपये का था। मौजूदा बजट में 27,598.40 करोड़ रुपये की नई योजनाएं भी शामिल की गई हैं। योगी सरकार प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना चाहती है और इसके लिए वह निरंतर प्रयासरत भी है। विगत दो साल कोरोना की भेंट चढ़ चुके हैं। इसके बाद भी इतना बड़ा बजट लाना साहस का काम है।इस बजट में गाँव-गरीब और किसान और मजदूर की चिंता तो है ही,शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी सरकार का विशेष फोकस है।इस बजट में युवाओं और महिलाओं के लिए भी बहुत कुछ खास है।आयुर्वेदिक और प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति को आगे बढऩे का सरकार का संकल्प भी इस बजट में प्रमुखता से नजर आता है।

किसानों के भुगतान पर घेरने वालों को भी सरकार ने मुहतोड़ जवाब दिया है।यह तो बताया ही है कि 2022 में उसने गन्ना किसानों का सर्वाधिक भुगतान किया है,साथ ही उत्तर प्रदेश के

शेष गन्ना किसानों को भुगतान के लिए 1000 करोड़ का प्रस्ताव किया है। मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के तहत 34,307 सरकारी नलकूपों और 252 छोटी शाखा नहरों के साथ-साथ 1000 करोड़ रुपये के माध्यम से किसानों को मुफ्त सिंचाई सुविधा का भी बजटीय प्रस्ताव दियाहै। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत किसानों के लिए 650 करोड़ रुपये के दुर्घटना बीमा का प्रस्ताव किया है।

योगी सरकार ने भी पीएम गति शक्ति योजना के तहत मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी परियोजनाओं के लिए 897 करोड़ रुपये और मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबे 6-लेन गंगा एक्सप्रेसवे के लिए 34 करोड़ रुपये प्रस्तावित किया है। आधी आबादी की सुरक्षा किसी भी प्रदेश के लिए बड़ी चुनौती होती है। उत्तरप्रदेश के सभी 75 जिलों के समस्त 1535 थानों पर महिला हेल्प डेस्क बनाना ,2,740 महिला पुलिस कार्मिकों को 10,370 महिला बीटों का आवंटन ,3 महिला पीएसी बटालियन लखनऊ, गोरखपुर तथा बदायूँ निश्चित रूप से बड़ी पहल है।इसका स्वागत किया जाना चाहिए। सभी जनपदों में जनपद स्तर पर साइबर हेल्प डेस्क स्थापना और महिला सामर्थ्य योजना हेतु 72 करोड़ 50 लाख रुपये की व्यवस्था,महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण तथा कौशल विकास हेतु 20 करोड़ की व्यवस्था का स्वागत किया जाना चाहिए। 2025 में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ की तैयारी के लिए 100 करोड़ रुपए के बजट की व्यवस्था की है।

सरकार ने केन्द्र स्मार्ट सिटी के तहत चयनित 10 शहरों के लिए 2000 करोड़ और राज्य स्मार्ट सिटी में चयनित 7 शहरों के लिए 210 करोड़ रुपए की व्यवस्था कर जहां प्रदेश के समग्र विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है,,वहीं-स्वच्छ भारत मिशन योजना के लिए 1353 करोड़ 93 लाख रुपए का बजट प्रस्तावित कर स्वच्छता अभियान को भी गति देने का प्रयास किया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिये आवास (शहरी) योजना के लिए 10,127 करोड़ 61 लाख रुपए का बजट देकर उसने डबल इंजन की सरकार की शक्ति का बोध कराया है। नगर पंचायतों के विकास के लिए सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के तहत 200 करोड़ रुपए और मुख्यमंत्री नगरीय अल्प विकसित व मलिन बस्ती योजना के लिए बजट में 215 करोड़ रूपये की व्यवस्था की है। नलजल योजना की चिंता की है तो गौ संरक्षण का भी ध्यान रखा है।

एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यस्था के लिए हमें दहाई के आंकड़े में विकास दर हासिल करनी होगी। इसमें संदेह नहीं कि सरकार इस दिशा में सोच भी रही है और बेहतर कर भी रही है लेकिन यह लक्ष्य तब तक पूरा नहीं होगा जब तक उसे जन-जन का साथ न मिले। भ्रष्टाचार और अपराध को रोककर ही इस दिशा में आशातीत सफलता प्राप्त की जा सकती है।बजट से सरकार की इच्छाशक्ति का पता चलता है। आगाज अच्छा है तो अंजाम भी बेहतर होगा। इतनी उम्मीद तो की ही जा सकती है।

-लेखक स्वतंत्र पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं।

सू- दोकू क्र.088

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.087 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

एक बबूले का फूटना

भारत में पिछला साल स्टार्टअप कंपनियों में भारी-भरकम निवेश का साल रहा। इन कंपनियों ने रिकॉर्ड 35 अरब डॉलर का निवेश जुटाया था। लेकिन सफलता की लहर जिस तेजी से आई थी, उसी तेजी से लौटने भी लगी है।

कोरोना काल में जब भारत की आम अर्थव्यवस्था हिचकोले खा रही थी, तब सरकार की उदार मौद्रिक नीति ने शेयर मार्केट की चमकार और बढ़ा दी। इसका बड़ा फायदा स्टार्टअप्स को मिला। उनमें से कई स्टार्टअप देखते-देखते यूनिकॉर्न बन गए।

यानी ऐसे स्टार्टअप जिनका बाजार मूल्य एक अरब डॉलर या उससे ज्यादा हो। जाहिर है, सत्ताधारी नेताओं ने जोर-शोर से यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स का प्रचार दुनियाभर में किया। लेकिन ये यूनिकॉर्न अब हांफते दिखाई दे रहे हैं। वहां नौकरियां जा रही हैं और कंपनियां लडख़ड़ा रही हैं। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी एमेजॉन के प्रतिद्वन्द्वी के रूप में देखी गई भारतीय स्टार्टअप कंपनी मीशो में पिछले साल सॉफ्टबैंक और फिडेलिटी जैसे बड़े निवेशकों ने करोड़ों का निवेश किया था। उससे कंपनी की बाजार कीमत दोगुनी से ज्यादा बढक़र पांच अरब डॉलर तक पहुंच गई। मीशो इतना ज्यादा निवेश पाने वाली अकेली भारतीय कंपनी नहीं थी। भारत में पिछला साल स्टार्टअप कंपनियों में भारी-भरकम निवेश का साल रहा। इन कंपनियों ने रिकॉर्ड 35 अरब डॉलर का निवेश जुटाया था। लेकिन सफलता की यह लहर जिस तेजी से आई थी, उसी तेजी से लौटने भी लगी है।

बाजार विशेषज्ञों ने तो यहां तक कहा है कि लहर का ऐसा लौटना तो पहले कभी नहीं देखा गया था। यह अनुभव बेहद पीड़ादायक होने वाला है। हकीकत यह है कि ऐसी कंपनियां जो यूनिकॉर्न बन गईं, लेकिन उनके पास कोई बिजनेस मॉडल नहीं है। तो इसमें कोई हैरत की बात नहीं अगर जल्दी ही वे अप्रासंगिक हो जाएं। ये कंपनियां अब वह खर्चा कम करने और कर्ज पाने की कोशिश में लगी हैं। गौरतलब है कि भारत में टेक कंपनियों के शेयरों की कीमतें लगातार गिर रही हैं। इसके अलावा कॉरपोरेट गवर्नेंस को लेकर भी चिंता बढ़ी है। निवेशकों को चिंता इस बात की भी है कि इन कंपनियों के बाजार-भाव पहले से ही बहुत ज्यादा हैं, जबकि रेवन्यू की संभावनाएं कम हैं। उधर ब्याज दरें बढऩे से अब ईजी मनी की उपलब्धता घटनेवाली है। तो कुल मिलाकर यूनिकॉर्न्स की मुसीबत बढ़ रही है। वैसे बबूलों के फूटने की यह कोई पहली मिसाल नहीं है।

जेन-जेड का जो पहलू समझ में नहीं आ रहा है वह बहुत वास्तविक है: सिद्धांत चतुर्वेदी

बॉलीवुड के युवा अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी एक ऐसे अभियान का समर्थन करते हैं, जो उन्हें अपने कबीले जेन-जेड के साथ जुडऩे का मौका देता है, क्योंकि उनका कहना है कि उन्होंने एक अभिनेता के रूप में अपने खेल में शीर्ष पर बने रहने में उनकी मदद की। अभिनेता जिंग चौनल का चेहरा बन जाता है और अभियान के पीछे के विचार के बारे में बात करते हुए सिद्धांत ने कहा- संगीत की दुनिया में मेरा अपना परिचय जिंग के माध्यम से था जो इस साझेदारी को और भी अधिक व्यक्तिगत बनाता है और मैं ज़िंग के कबीले का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं। चौनल जिंग ने सिद्धांत की विशेषता वाले अपनी वाइब, अपनी जनजाति अभियान के माध्यम से नई पोजिशनिंग शुरू की है और संगीत, फिल्मों और सीरीज के माध्यम से आधुनिक कहानियों को बताने वाली मनोरम प्रोग्रामिंग देने की योजना भी बनाई है। चौनल 25 मई को सिद्धांत चतुर्वेदी की एक रोमांचक ब्रांड फिल्म के लॉन्च के साथ अपने अभियान की शुरूआत करेगा।

सरकार को राजस्व की हानि पहुंचाने पर तीन नामजद

संवाददाता

देहरादून। खनिज नीलामी के दौरान आपस में सांठ-सांठ कर अपराधिक षडयंत्र कर सरकार को राजस्व की हानि पहुंचाने व स्वंय को आर्थिक लाभ पहुंचाने पर पुलिस ने महिला सहित तीन को नामजद कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर निदेशक भूतत्व एवं खनि कर्म इकाई उदयोग निदेशालय भोपाल पानी एलएल पेट्रिक ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि जनपद उत्तरकाशी की तहसील डुण्डा के ग्राम सिंगोटी में स्थित उपखनिज लाट सिंगोटी-1, 2, 3 उपखनिज लाट सिंगोंटी-01 एवं सिंगोटी-03 के लिये योजित की गयी थी जिसमें कुल ग्यारह प्रतिभागी निविदाताओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। ई नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न होने के उपरान्त कतिपय प्रतिभागी बोलीदाताओं के मध्य परस्पर सांठ-गांठ पाये जाने की शिकायत 14 अप्रैल 2018 तथा 10 मई 2018 को प्राप्त हुई जिसके सम्बन्ध में निदेशक खनन द्वारा जीडी प्रसाद, उपनिदेशक को विभागीय जांच करने हेतु निर्देश दिये गये । जांच अधिकारी द्वारा अपनी जांच आख्या 8 अगस्त 2018 को प्रस्तुत की गयी । जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत आख्या में वर्णित किया है कि उपखनिज क्षेत्र सिंगोटी-1 के दो बोलीदाता धर्मवीर सिंह परमार द्वारा श्रीमती भागदेई गंगाडी के साथ साठगांठ कर विभाग एवं अन्य प्रतिभागी बोलीदाताओं के विरूद्ध षडयन्त्र रचकर सरकार को न सिर्फ राजस्व की हानि पहुंचाने का प्रयास किया बल्कि विभाग का समय एवं विभाग द्वारा संचालित उपखनिज लाट आवंटन की प्रक्रिया को बाधित किया है। धर्मवीर सिंह परमार व श्रीमती भागदेई गंगाडी को सांठगांठ कर सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने का षडयन्त्र रचकर प्रश्नगत उपखनिज लाट हेतु कम मूल्य में ही खनन पटटा प्राप्त करने के फलस्वरूप आर्थिक लाभ अर्जन के कुत्सित प्रयास करने का प्रथम दृष्टया दोषी पाया है । उपखनिज लाट सिंगोटी-03 के दो प्रतिभागी बोलीदाता धर्मवीर सिंह परमार द्वारा शरत सिंह चौहान के साथ सांठगांठ कर विभाग एवं अन्य प्रतिभागी बोलीदाताओं के विरूद्ध षडयत्र रचकर सरकार को न सिर्फ राजस्व की हानि पहुंचाने का प्रयास किया बल्कि विभाग का समय एवं विभाग द्वारा संचालित उपखनिज लाट आवंटन की प्रक्रिया को वाधित किया है । धर्मवीर सिंह परमार व शरत सिंह चौहान को सांठगांठ कर सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने का षडयन्त्र रचकर प्रश्नगत उपखनिज लाट हेतु कम मूल्य में ही खनन पट्टा प्राप्त करने के फलस्वरूप आर्थिक लाभ अर्जन के कुत्सित प्रयास करने का प्रथम दृष्टया दोषी पाया है।

जमीन के नाम पर 39 लाख रूपये ठगे

देहरादून (सं)। जमीन के नाम पर 39 लाख 35 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दीं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोलांग बागेश्वर (हाल पता गुजरात बडोदरा) ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उस की पहचान यमुना कालोनी निवासी रामनेश नौटियाल से हुई थी तथा रामनरेश नौटियाल ने उसको सुद्धोवाला में एक जमीन दिखायी जिसका सौदा 39 लाख 35 हजार रूपये में हो गया। उसने सात लाख रूपये देकर एग्रीमेंट कर लिया था। उसके बाद समय-समय पर रामनरेश नौटियाल उससे रूपये लेता रहा तथा उसने जमीन के पूरे पैसे 39 लाख 35 हजार रूपये उससे ले लिये और जब उसने रामनरेश को रजिस्ट्री के लिए कहा तो वह टालता रहा था। उसके बाद वह उक्त जमीन पर गया तो वहां पर नॉट फॉर सेल का बोर्ड लगा था। बोर्ड में अंकित नम्बा जोकि सहस्त्रधारा रोड निवासी नरेश बंसल का था उसने जब नरेश बंसल से सम्पर्क किया तो उसने बताया कि रामनरेश नौटियाल ने जमीन से सम्बन्धित कोई रूपया उसे नहीं दिया इसलिए उसने वहां पर बोर्ड लगा दिया है। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ धोखाधडी हुई है।

नाबालिग को भगाने में एक नामजद

देहरादून। नाबालिग को भगाने के मामले में पुलिस ने एक को नामजद कर उसकी तलाश शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार काठबंगला बस्ती निवासी महिला ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पुत्री आयु 13 वर्ष जो गत दिवस घर से काम करने के लिये गयी थी । जिसको उसके द्वारा मैडम के यहां लड़की का पता करने गयी तो मैडम ने बताया कि आज वह काम पर नही आयी वह तबीयत खराब होने बताया उसके बाद उसके द्वारा अपनी बड़ी लड़की जो डोईवाला में रहती है तो उसने भी उसके यहां पर आने से मना किया जिसके बाद उसने अपने रिश्तेदारो व सभी जानने वालो को लड़की के घर न आने के बारे में बताया तो सभी ने बताया की हमारे यहाँ नही आयी उसको शक है कि उनकी कालोनी का रहने वाला राहुल पुत्र नीरज जो लड़की को बार-बार फोन पर परेशान करता था जिसके उपर उसको शक है कि वह उसकी लड़की को बहला फुसला कर ले गया है।

हेलीकाप्टर बुकिंग के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर बुकिंग के नाम पर देशभर में कई लोगों से लाखों रुपयों की ठगी करने वाले शातिर को पुलिस ने कल देर शाम गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने दो मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड व हजारों रूपये की नगदी भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 15 मई को उत्तर प्रदेश से बद्रीनाथ दर्शन को आए श्रद्धालु अम्बरीश कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद द्वारा कोतवाली बद्रीनाथ में तहरीर देकर बताया गया था कि हिमालयन हेली सर्विस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा केदारनाथ हेतु ऑनलाइन हेलीकॉप्टर बुकिंग के नाम पर उनके साथ 24 हजार 590 रूपये की धोखाधड़ी की गयी है।

मामले की गम्भीरता का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक चमोली श्वेता चौबे द्वारा कोतवाली बद्रीनाथ को उक्त प्रकरण में मुकदमा दर्ज करने व फ्रॉड से सम्बन्धित आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये थे।

आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में लगी टीम को इस दौरान पता चला कि वह इन दिनों नवादा (बिहार) में है। जिसे देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके कब्जे से पुलिस ने ठगी में प्रयुक्त दो मोबाइल, 5 सिमकार्ड व 42 हजार रूपये बरामद किये गये है। पूछताछ में उसने अपना नाम विभीषण महतो पुत्र गणेश महतो निवासी ग्राम भवानी बीघा नवादा बताया।

बताया कि उसके द्वारा ही हेलीकॉप्टर बुकिंग के नाम पर लोगों से ठगी की जा रही है व अबतक देशभर में अलग-अलग लोगों से 15 से 20 लाख की धोखाधड़ी की जा चुकी है।

फोन लूटकर बदमाश फरार

संवाददाता

देहरादून। पैदल चल रहे युवक को फोन लूटकर बदमाश फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वीरपुर वीरभद्र निवासी उर्मिला देवी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा बाजार से घर आ रहा था जब वह फोन पर बात करते हुए मीरा नगर पुलिया पर पहुंचा तभी पीछे से आ रहे एक अन्य युवक ने उसके हाथ से फोन छीन लिया और वह कुछ समझता वह वहां से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बाउंड्रीवाल तोडने पर पुलिस ने महिला सहित 25 के खिलाफमुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर घर में घुसकर बाउंड्रीवाल तोडने के मामले में पुलिस ने एक महिला सहित 25 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नीलकंठ विहार निवासी डा0 मनीष कण्डवाल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गत रात्रि दस बजे उनके के सामने के घर की तरफ छत में करीब दस से प्रद्रह लोगो की हलचल दिखाइ दी जो बार-बार उनकी जमीन की ओर इशारा कर रहे थे। इनकी हरकतो को देखकर एवं अनर्थ की आशंका से वह सो नही पा रहे थे उनकी आंशका पर उस वक्त सत्य हुई जब करीब 20-25 दंबग व मजदूर एक राय होकर इनके निर्देश मे रात्री साढे बारह बजे उनकी जमीन एवं पोर्च पर आकर उनकी बाउड्री वाल तोडनी शुरु कर दी। उनके मना करने पर उनके द्वारा गाली गलौज की गई एंव ईट व पत्थरों से उनके उपर हमला कर दिया जिसमे उसके पिता राजेन्द्र प्रसाद कण्डवाल चोटिल हो गए तथा उसको भी चोट लगी जिसका उसने अस्पताल जा कर मेडिकल कारया। श्रीमती उर्मीला व उनके साथ आए अन्य 20-25 व्यक्ति व मजदूर जिनसे उसें खतरा है वह उनको जान से मारने की धमकी दे रहे थे।

आईकॉनिक काजल चोरी मामले में चार गिरफ्तार, भेजा जेल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हिन्दुस्तान युनिलीवर लिमिटेड कम्पनी से हुए लाखों रूपये के आईकानिक काजल चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने चार लोगों को चुराये गये माल सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक/एसएसपी हरिद्वार डा. योगेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि बीती 30 मई को हिन्दुस्तान युनिलीवर लिमिटेड कंपनी की ओर से विक्रम सिंह पुत्र विजेन्द्र सिंह द्वारा सिडिकुल थाने में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी कम्पनी से 24 मई की रात को अज्ञात चोरों द्वारा आईकॉनिक काजल की 14 पेटी चोरी कर ली गयी है। जिसकी कीमत लगभग 51,80,000 बतायी गयी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। एसओजी व थाना

पुलिस की संयुक्त टीम को इस मामले के खुलासे में लगाया गया। संयुक्त टीम को बीती रात सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल चार लोग चुराये गये माल सहित डेंसो चौक से रावली महदूर की तरफ जाते हुए देखे गये है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर 24 फुट स्विच ऑफ आईकॉनिक काजल की पेटी सहित चारों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिन्होने के साथ गिरफ्तार कर लिया। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम विकास पुत्र चमनलाल, मोनू पुत्र पालू राम, शुभम पुत्र रफल सिंह व इंद्रजीत पुत्र सतपाल भगत निवासी लक्सर बताया। बताया कि 22 मई की रात को वह लोहे की जाली तोड़कर कंपनी के अंदर घुसे और चोरी की घटना को अंजाम दे दिया।

एक नजर

ईडी ने सोनिया गांधी व राहुल गांधी को नेशनल हेराल्ड मामले में जारी किया समन

नई दिल्ली । ईडी ने आज बुधवार को कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को नेशनल हेराल्ड मामले में समन जारी किया गया है, जिसे २०१५ में जांच एजेंसी द्वारा बंद कर दिया गया था। जांच एजेंसी की ओर से भेजे गए समन की कांग्रेस ने आलोचना की है। कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी अपने राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए कठपुतली एजेंसियों का उपयोग कर रही है। कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा

कि बीजेपी राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए इन कठपुतली एजेंसियों का उपयोग कर रही है। नेशनल हेराल्ड का अपना एक इतिहास है जो आजादी से संघर्ष के समय शुरू हुआ था। साथ ही उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी, फारूक अब्दुल्ला सहित सभी विपक्षी नेता केंद्रीय एजेंसियों के निशाने पर हैं। सिंघवी ने यह भी कहा कि सभी कंपनियां लोन को इक्विटी में बदलकर बैलेंस शीट में सुधार करती हैं। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने ईडी की ओर से जारी समन की आलोचना करते हुए कहा कि १९४२ में जब नेशनल हेराल्ड अखबार शुरू किया गया तब उस समय अंग्रेजों ने इसे दबाने की कोशिश की, आज मोदी सरकार भी यही कर रही है और इसके लिए प्रवर्तन निदेशालय का इस्तेमाल किया जा रहा है। ईडी ने हमारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस दिया है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में कटौती

नई दिल्ली । महीने के पहले ही दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर (एलपीजी) के दामों में कटौती की गयी है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने १९ किलो वाले एलपीजी सिलेंडर को १३५ रुपए सस्ता कर दिया है। हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया। दामों में कटौती के बाद १९ किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत दिल्ली में २२१९ रुपये होगी। वहीं कोलकाता में इसकी कीमत अब २,४५४ रुपये से घटकर २,३२२ रुपये हो गई है। मुंबई में अब यह २,३०६ रुपये की जगह २,१७१.५० रुपये में मिलेगा जबकि चेन्नई के ग्राहकों को २,५०७ रुपये की जगह २,३७३ रुपये देने होंगे। पेट्रोलियम कंपनियों ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। लेकिन मई में ही इसकी कीमत में दो बार बढ़ोतरी हुई थी। सात मई को कंपनियों ने १४.२ किलोग्राम वाले सिलेंडर के दाम ५० रुपये बढ़ाए गए थे। फिर १९ मई को ३.५० रुपये की बढ़ोतरी के साथ इसकी कीमत कई शहरों में १,००० रुपये के पार चली गई। इसके बाद दिल्ली में १४.२ किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत १,००३ रुपये पहुंच गई थी।

जिसका जो माल है उसे वापस कर देना चाहिए : राकेश टिकैत

बुलंदशहर। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत मंगलवार को बुलंदशहर पहुंचे। यहां पर राकेश टिकैत ने ज्ञानवापी मामले को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने इशारों इशारों में कहा कि जिसका जो माल है उसे वापस कर देना चाहिए। राकेश टिकैत ने यह भी कहा कि पहाड़ से कोई भी पत्थर उठा लो वही शिवलिंग है। यह हमारी आस्था का सवाल है। राकेश टिकैत ने कहा कि जल्दी ट्रैक्टरों से हमारे संगठन के लोग बिजली, महंगाई, गन्ने के भुगतान व अन्य मांगों को लेकर प्रदेश की राजधानी लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलेंगे। कर्नाटक में हुए हमले को लेकर राकेश टिकैत ने कहा कि यह मेरे साथ साजिश थी। पहले ही मेरे ऊपर हमले करने की साजिश रची गई थी, जिन लोगों ने हमला किया है। उनके गृह मंत्री और मुख्यमंत्री के साथ में फोटो है, ये वहां की पुलिस ने बताया है। वहीं, गाजियाबाद के मदनपुर में गांव में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद पर धर्म के नाम पर राजनैतिक मुद्दा बना दिया गया है। मस्जिद जिसकी है उनको सौंप देनी चाहिए।

नव संकल्प पर मंथन में जुटी कांग्रेस

विशेष संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस अपने नव संकल्प कार्यक्रम के जरिए वर्तमान की समस्याओं का हल ढूंढने में जुटी हुई है। अभी बीते दिनों नेशनल कांग्रेस द्वारा राजस्थान में आयोजित कार्यक्रम में भविष्य की रणनीति और वर्तमान की चुनौतियों पर गंभीर चिंतन मंथन किया गया था। अब इस कार्यक्रम को जमीन पर उतारने के लिए राज्य स्तर पर भी नव संकल्प शिविरों के जरिए प्रयास किया जा रहा है।

दून में आज कांग्रेस के इस दो दिवसीय नव संकल्प शिविर का आगाज हुआ है। इस अवसर पर मौजूद प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव का कहना है कि राजस्थान के शिविर में कांग्रेस ने जिन संकल्पों के आधार पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया उन संकल्पों का क्रियान्वयन किस तरह किया जाना चाहिए इस शिविर में इस मुद्दे पर चिंतन मंथन किया जाएगा। उनका कहना है कि कांग्रेस युवाओं को पार्टी से जोड़ने और कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए समर्पित भाव से काम करने पर बल दे रही है। पिछले कुछ सालों से पार्टी को चुनावों में जिस तरह असफलताओं से दो-चार होना पड़ रहा है उसके कारणों पर भी विचार किया जाएगा।

❑प्रीतम और गोदियाल नहीं आए नजर
❑संगठन और सोच में बड़े बदलाव की जरुरत

कांग्रेस अब इस सच्चाई को स्वीकार कर चुकी है कि निचले स्तर पर पार्टी का आधार कमजोर ही नहीं हुआ है, लगभग समाप्त हो चुका है। वही बड़े स्तर पर पार्टी की असफलताओं के कारण युवा नेतृत्व का पार्टी से मोहभंग हो चुका है और वह पार्टी का साथ इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि उन्हें कांग्रेस में अब अपना कोई बेहतर भविष्य नजर नहीं आ रहा है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस जब तक ग्रास रूट पर काम नहीं करेगी तब तक स्थिति में सुधार की कोई संभावना नहीं देखी जा सकती है। लेकिन यह काम एक दो महीने या एक दो साल में नहीं हो सकता है इसमें लंबा समय लगेगा जिसके लिए धैर्य और संयम की जरूरत है।

बात अगर आज दून में आयोजित होने वाले शिविर की ही की जाए तो इसमें दो पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह और गणेश गोदियाल की अनुपस्थिति कांग्रेस के आंतरिक हालात का हाल कहने के लिए काफी हैं। प्रीतम सिंह खुद को पहले प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी और फिर नेता विपक्ष की कुर्सी से हटाए जाने के बाद से नाराज चल रहे हैं उनके अनुसार उनके खिलाफ कांग्रेस के कुछ नेता षड्यंत्र के तहत उन्हें नीचा दिखाने में लगे हुए हैं।

कांग्रेस के इस नव संकल्प से क्या हासिल होता है यह तो समय ही बताएगा लेकिन जिस धर्मनिरपेक्षता का झंडा पकड़कर काग्रेस हमेशा सत्ता में बनी रही उसे अब अपने संगठनात्मक ढांचे और सोच में बड़े परिवर्तन की जरूरत है। शिविर में पूर्व सीएम हरीश रावत, नवप्रभात, नेता विपक्ष यशपाल आर्य, प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा सहित तमाम लोग मौजूद है।

चोरों ने पर्स उडाया

देहरादून। सब्जी ले रहे व्यक्ति के जेब से पर्स निकालने के मामले में पुलिस ने चार अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खंड गांव रायवाला निवासी कपूर सिंह नेगी ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वक लगभग शाम 7 बजे हाट बाजार सब्जी लेने गया था वह एक दुकान से सब्जी ले रहा था तभी 4-5 लडको का एक ग्रुप वंहा पर पहुचा और उन्होने उसका पर्स जेब से निकाल लिया। उसके पर्स मे लगभग ३०००/- रुपय, स्टैट बैंक का डेबिट कार्ड, पंजाब नेशनल बैक का डेबिट कार्ड, आधार कार्ड, पत्नी का आधार कार्ड,आदि सामान था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एटीएम कार्ड बदलकर निकाले 50 हजार रुपये

देहरादून (सं)। एटीएम कार्ड बदलकर खाते से 50 हजार रूपये निकालने के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवपुरी डाकपत्थर निवासी संजय शर्मा ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी सारिका शर्मा 26 मई को एटीएम रूपये निकालने गयी थी वहां मौजूद एक युवक ने एटीएम चैक करने के बहाने एटीएम बदल दिया और बाद में उसके खाते से 50 हजार रूपये निकाल दिये। इस बात का पता उनको बैंक जाने पर पता चला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महामंडलेश्वर पर शिष्य ने किया जानलेवा हमला

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार के भूपतवाला स्थित कल्याण कमल आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी कमलानंद गिरि महाराज पर उनके ही शिष्य ने अचानक धारदार चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। महामंडलेश्वर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है वहीं पुलिस ने आरोपी शिष्य को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार शाम को जब महामंडलेश्वर कमलानंद गिरि दूधिया बंद ठोकर पर रोजाना की तरह टहलने और मछलियों को आटा डालने के लिए अपने शिष्य के साथ गए थे। तो किसी बात को लेकर गुरु और शिष्य में कहासुनी हो गई जिसके बाद शिष्य ने अपना आपा खो दिया और धारदार चाकू से अपने गुरु पर ही हमला कर दिया। गनीमत यह रही कि गले में माला होने की वजह से और महामंडलेश्वर के सक्रिय होने की वजह से उनको ज्यादा गंभीर चोट नहीं आई है और उनको अस्पताल भिजवाया गया।

जहां पर उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने उनके शिष्य गिरिशानंद को हिरासत में ले लिया है। हालांकि अभी पीड़ित पक्ष की तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गई है इसलिए अभी तक इस मामले में कोई मुकदमा भी दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि जैसे ही पीड़ित पक्ष की तरफ से तहरीर दी जाएगी आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कार की टक्कर से युवक घायल

देहरादून (सं)। कार की टक्कर से युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजीव नगर कंडोली निवासी कुंवर सिंह ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा बाजार से पैदल आ रहा था जब वह यमुना कालोनी चौक पर पहुंचा तभी तेज गति से आ रही सेट्रो कार के चालक ने उसको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।